अभ्यास पत्रक

पाठ – डायरी का एक पन्ना

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

1. गद्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"लाठी चल रही थी, गिरफ़्तारियाँ हो रही थीं। कई युवक बेहोश होकर गिर पड़े। पुलिस लाठियाँ मार-मारकर लोगों को तितर-बितर कर रही थी। लेकिन नारे उसी जोश से लग रहे थे – 'वन्दे मातरम्', 'भारत माता की जय'।"

1. पुलिस किस प्रकार से आंदोलनकारियों को रोकने का प्रयास कर रही थी?

उत्तर - .....

.....

2. नारेबाज़ी की स्थिति पुलिस की कार्रवाई के बीच कैसी रही?

उत्तर - .....

.....

3. इस प्रसंग से देशभक्तों की कौन-सी भावना उजागर होती है?

उत्तर - .....

.....

2. Assertion-Reason आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** पाठ में कलकत्ता का जनसामान्य स्वतंत्रता संग्राम में उत्साह से जुड़ा था।
   कारण: झंडा फहराने, जुलूस निकालने और गिरफ्तारी देने वालों में सभी वर्गों की भागीदारी थी।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

5. **कथन:** पुलिस की बर्बरता के कारण आंदोलन रुक गया।
   कारण: जनता में डर बैठ गया और किसी ने भाग नहीं लिया।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

3. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. 'डायरी का एक पन्ना' किस लेखिका की रचना है?
   (क) महादेवी वर्मा (ख) सुभद्राकुमारी चौहान (ग) सुभाषिनी भैंसकर (घ) जानकीदेवी बजाज

7. लेखक किस दिन की घटनाओं का वर्णन कर रहा है?
   (क) 26 जनवरी (ख) 30 जनवरी (ग) 2 अक्टूबर (घ) 23 मार्च

8. मोनुमेंट कहाँ स्थित है?
   (क) बंबई (ख) कोलकाता (ग) दिल्ली (घ) चेन्नई

9. घायल कार्यकर्ताओं की सहायता कौन कर रहे थे?
   (क) डॉ. अम्बेडकर (ख) डॉक्टर दासगुप्ता (ग) डॉक्टर शर्मा (घ) डॉक्टर घोष

10. पाठ के अनुसार कौन-सा स्थान सबसे पहले झंडा फहराने का केंद्र बना?
    (क) कौंसिल हाउस (ख) चौरंगी (ग) मोनुमेंट (घ) बहू बाजार

eGyanarchive

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. लेखक के अनुसार, स्त्रियों ने आंदोलन में किस प्रकार की भूमिका निभाई?

उत्तर - .....

.....

.....

12. सुभाष बाबू की गिरफ्तारी के बाद भी क्या आंदोलन समाप्त हो गया था?

उत्तर - .....

.....

.....

13. लेखक को किस घटना ने सबसे अधिक प्रभावित किया?

उत्तर - .....

.....

.....

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. पाठ "डायरी का एक पन्ना" उस समय के सामाजिक, राजनैतिक और नैतिक वातावरण को कैसे दर्शाता है?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. "स्वतंत्रता की नींव जनभागीदारी, नारी शक्ति और बलिदान से बनी" – इस कथन की पुष्टि पाठ 'डायरी का एक पन्ना' के माध्यम से कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

eGyanArchive

उत्तर कुंजी

1. पुलिस लाठियाँ चलाकर, लोगों को गिराकर और जबरन तितर-बितर कर आंदोलन को रोकने का प्रयास कर रही थी।
2. नारे "वन्दे मातरम्" और "भारत माता की जय" पहले जैसी ही तीव्रता और जोश से लगाए जा रहे थे।
3. यह दर्शाता है कि देशभक्तों में अडिग संकल्प, साहस और राष्ट्रप्रेम था।
4. (क)
5. (घ)
6. (ग)
7. (क)
8. (ख)
9. (ख)
10. (ग)
11. स्त्रियों ने आंदोलन में नेतृत्व, झंडा फहराना, नारे लगाना, गिरफ्तारी देना और घायलों की सहायता जैसी भूमिकाएँ निभाई, जो उनकी जागरूकता और समर्पण को दर्शाती हैं।
12. नहीं, आंदोलन और तेज हो गया। सुभाष बाबू की गिरफ्तारी से लोगों में और भी जोश आया। उन्होंने नारे लगाकर आंदोलन जारी रखा।
13. लेखक को क्षितिज चटर्जी के सिर से बहते खून और फिर भी नारे लगाते रहने की घटना ने अत्यंत प्रभावित किया।

14. पाठ "डायरी का एक पन्ना" स्वतंत्रता संग्राम के दौरान के सामाजिक, राजनैतिक और नैतिक वातावरण का सजीव चित्र प्रस्तुत करता है। इसमें स्त्रियों की सक्रिय भागीदारी, युवाओं की वीरता, जनता की सहभागिता, और अंग्रेजों की बर्बरता – सबका चित्रण मिलता है। मोनुमेंट पर झंडा फहराने से लेकर बहू बाजार तक जुलूस, घायल कार्यकर्ताओं की सेवा, सब कुछ इस बात का प्रमाण है कि यह संघर्ष केवल राजनीतिक न था, बल्कि जनता की आत्मा का क्रांतिकारी स्वर था।

15. इस पाठ से स्पष्ट होता है कि भारत की स्वतंत्रता केवल नेताओं के भाषणों से नहीं, बल्कि सामान्य जनों के बलिदान, नारी शक्ति की जागरूकता और सामूहिक सहभागिता से मिली। जानकी देवी, विमल प्रतिभा जैसी महिलाओं ने मोनुमेंट पर झंडा फहराया। वृजलाल गोयनका जैसे युवकों ने लाठियाँ खाईं, डॉक्टर दास गुप्ता घायलों की सेवा कर रहे थे। कोई भी वर्ग पीछे नहीं रहा – स्त्रियाँ, युवा, डॉक्टर, शिक्षक, छात्र सभी संघर्ष में थे। यह पाठ हमें बताता है कि यदि यह जनांदोलन न होता, तो स्वतंत्रता इतनी जल्दी न मिलती। यह जन-मन और आत्मा का आंदोलन था, जिसने ब्रिटिश शासन की नींव हिला दी।